4436 ... duplicate ... 2 ... 4290 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. R$5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

468

14800

3700

11,400

स्टाम्पवेंडर में अंकित बिक्री दर

मार्गदर्शिका पंजी के अनुसार ठीक है।

718

Vide letter no 406 dated 29.7.02 J Kanoozo

1480

1534

3.55

1537.55

1216

लेख्यकारिणी : श्रीमति कैलाशवती तिवारी पति श्री युगल किशोर त्रिपाठी जाति ब्राह्मण (गैर आदिवासी) पेशा-गृहस्थी निवास सा० चीरा चास-पो० थाना चास जिला बोकारो। स्थाई पता : सा० पो० बड़हरा जिला-आरा।

लेख्यधारी : (1) श्री बिनोद कुमार रवि पिता स्व० बैजु मिस्त्री (2) श्रीमति शीला रानी पति श्री बिनोद कुमार रवि-जाति बढ़ई पेशा (1) नं० नौकरी (2) नं० गृहस्थी निवास सा० पो० थाना चास जिला बोकारो हाल सा० जगजीवन 12 ई "आवास सं० 2040 बी० एस० सिटी जिला बोकारो।" भारतीय"।

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

(२)

लेख्य प्रकार: "विक्रय पत्र"।
मूल्य : ७४,०००) (चौहत्तर
हजार रुपये)। मौजा-चास
के अंदर रकवा १०½ डि० (दस पूर्णांक
एक बटा दो डिसमिल)। जिसका
सालाना खारीज लगान १५ पैसा।
जमीन मालिक झारखंड सरकार
अंचल चास।
जमीन किस्म: "आवासीय"।
वार्ड नं० : २ (दो)।
तफसील : जिला बोकारो सदर रजिस्ट्री
ऑफीस बोकारो थाना चास परगना
खासपेल अंतर्गत ३० नं० थाना मुक्त-
मौजा चास के अंदर अपनी खास-
दखल की कायमी रैयती स्वकीय
खास दखल की सम्पत्ति होता है।
जिसका खाता नं० १७२ (एक सौ-
बहत्तर) प्लोट नं० ७७३ (सात सौ तेहत्तर)

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(3)

रकबा २८ डि० में से अपनी
निजांश में से खास दखली
रकबा 10½ डि० (दस पूर्णांक
एक बाटा दो डिसमिल)
मात्र जमीन आज आपके हाथ बेचकर
सदा के लिए निसत्व हुई एवं आज-
ही से दखल कब्जा दिया। जो कि-
साथ में नकसा नक्शा किया हुआ
"C" चिंहित जमीन जो कि लाल रंग से-
रंगाकर दिखलाया गया है। जिसका-
चौ० उ० 30'0" रास्ता, द० प्लॉट नं० 633,
पु० 20'0" रास्ता, प० आज का खरीददार
श्री कमला प्रसाद शर्मा।

बिक्रीत जमीन बिगत दिनांक
11.10.88 ई० ताo का 1868 नं० केवाला
दलिल के द्वारा श्रीमति संतोष शर्मा
के निकट से मेरी नाम सह श्रीमति

कमलावती तिवारी
स्व 1808

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

(४)

जागो देवी, लेहश्वरी देवी,
राजेश्वर देवी के नाम से
जिला धनबाद निबंधन
कार्यालय का निबंधीत
सम्पति होता है। जिसमें मेरी हिस्सा
२५.४३० होता है। जिसमें से बिक्रीत
लॉट मुझे हिस्सा में प्राप्त हुई है एवं
दखलीकार हूँ। वही आज आपलोगों
को बेची।

चूंकि बिक्रय केवाला दलिल का-
विवरण है कि मेरी घरेलु एवं-
अन्यान्य सांसारिक खर्च के लिए-
रुपये कि विशेष आवश्यकता आन-
जाने पर आज मैंने अपनी निजांश
मुक्त तफशीलोक्त सम्पत्ति का-
सर्वोच्च समयोचित मूल्य 74,000)
रुपये (चौहत्तर हजार रुपये) नगद लेकर

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

(५)

यह बिक्रय केवाला दलिल
लिख दिया कि आप लोग आज
तारिख से उक्त बिक्रीत जाय-
दाद के लिए सालाना खारीज
लगान उपरोक्त के हिसाब से
साल-साल वर्तमान मालिक जमींदार-
झारखण्ड सरकार के हाथ में आदाय
देकर आपलोग अपना-अपना नाम से
चेक दाखीला ग्रहण पूर्वक नीज खास-
दखल से अथवा बिली बंदोबस्ती आदि
करके दान, बिक्रय, हस्तान्तरन आदि
का स्वामित्व हासिल कर बन्ध्या-
पक्का मकान, कुँआ, बाग-बगीचा
आदि अपना-2 इच्छानुसार करके
पुत्र-पौत्रादि सह वंश-परम परा
में परम सुख से भोग दखल करते
रहेंगे। इसमें मेरे या मेरी उत्तरा-
धिकारियों में से किसी का कुछ भी हक को-

कलावती देवी
17/8/02

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

(६)

अधिकार न होगा और करने पर बिलकुल ही नाजायज समझा जायेगा। प्रकाश रहे कि उक्त विक्रीत सम्पत्ति इससे पूर्व किसी दूसरे के साथ एग्रीमेंट, हस्तांतरण, दान, बिक्रय, रेहन भार आदि नहीं किया है एवं क्रयधारी ने उक्त सम्पत्ति के हक-हकीकत वो दखल कब्जे के सम्बंध में ग्रहीता गण स्वयं ही पहले पता लगा लिया है एवं संतुष्ट होकर ही उक्त सम्पत्ति खरीदने की बात निश्चित किया है एवं संतुष्ट होकर ही उक्त सम्पत्ति खरीदने की बात निश्चित किया है। तथापि यदि भविष्य में उक्त सम्पत्ति के बाबत किसी भी प्रकार का त्रुटि प्रमाण हो तो मैं वारिसान सहित सम्पूर्ण क्षति पूर्ति का देनदार होउंगा।

अतः हम अपनी शरीर और मन की स्वस्थ अवस्था में सोच समझ कर बिना किसी जोर वो दबाव में यह बिक्रय केवाला दलिल सम्पादन कर दिया।

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

(6)

जो कि समय पर काम आवे तथा प्रमाण रहे। इति अंग्रेजी सन् 2002 साल ति०: 12 अगस्त। पक्षों को दस्तावेज पढ़कर सुनाया। लिपिकार: श्री दिलीप कु० राय। सा०: चास। "अध्यक्ष" का० क० नं० संघ, बोकारो। SureshKumar ...

कलावती तीवारी 12/8/02

मूल दस्तावेज एवं द्वितीय प्रतिलिपि एक दूसरे की हु-ब-हू एवं सत्य प्रतिलिपि है एवं का. 709 शब्दों में है।

कलावती तीवारी
12/8/02

गवाहगण

किशोरी गोप

12/8/02

12/8/02

12/8/02